A–0146

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BASL (N)-121

वैदिक कर्मकाण्ड एवं अनुष्ठान

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नित्यकर्म में पञ्च महायज्ञ एवं संकल्प का महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
2. सम्पूर्ण संकल्प विधि का सविस्तार पूर्वक लिखिए।
3. पञ्चांग का सविस्तार वर्णन कीजिए।

4. संस्कार किसे कहते हैं तथा कितने संस्कार होते हैं ? विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

5. मानवजीवन में ग्रहों का क्या प्रभाव है ? विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

अथवा

ग्रह शान्ति के प्रयोजन एवं महत्व को विस्तार पूर्वक लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अग्नि स्थापन विधि का उल्लेख कीजिए।
2. हवन कार्य में कुण्ड के महत्व को लिखिए।
3. पूर्णाहुति का महत्व को लिखिए।
4. विवाह के प्रकारों के विषय में लिखिए।
5. नामकरण संस्कार के विषय में लिखिए।
6. अन्नप्राशन संस्कार का उल्लेख कीजिए।
7. निष्कर्मण संस्कार के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
8. विद्यारम्भ संस्कार के विषय में लिखिए।

अथवा

यज्ञोपवीत संस्कार का महत्व लिखिए।

****